कला और संस्कृति को बढ़ावा देने हेतु संस्कृति मंत्रालय की पहल

संस्कृति मंत्रालय ने **लोकगीत कलाकारों सहित कलाकारों की सभी विधाओं** की सुरक्षा के लिये '**कला और संस्कृति को बढ़ावा देने हेतु छात्रवृत्ति एवं फैलोशिप योजना'** शुरू की है।

- इस योजना के तीन घटक हैं, जिनका उद्देश्य **युवा कलाकारों, विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट व्यक्तियों और सांस्कृतिक अनुसंधान** करने वालों का सहयोग करना है।

योजना के घटक:

- **विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों में युवा कलाकारों को छात्रवृत्ति पुरस्कार (Scholarships to Young Artists- SYA):**
  - इसके तहत **18-25 वर्ष आयु वर्ग के चयनित लाभार्थियों** को 2 वर्ष की अवधि हेतु छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।
  - उम्मीदवारों ने कम-से-कम 5 वर्षों तक किसी भी गुरु या संस्थान के तहत प्रशिक्षण प्राप्त किया होना चाहिये।
- **वरिष्ठ/कनिष्ठ अध्येतावृत्ति पुरस्कार:**
  - सांस्कृतिक अनुसंधान के लिये 40 वर्ष एवं उससे अधिक आयु वर्ग के चयनित अध्येताओं को 2 वर्ष हेतु वरिष्ठ अध्येतावृत्ति प्रदान की जाती है।
  - कनिष्ठ अध्येतावृत्ति 25 से 40 वर्ष आयु वर्ग के चयनित अध्येताओं को 2 वर्ष के लिये प्रदान की जाती है।
  - एक वर्ष में 400 वरिष्ठ एवं कनिष्ठ अध्येतावृत्ति प्रदान की जाती है।
- **सांस्कृतिक अनुसंधान हेतु टैगोर राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति पुरस्कार (TNFCR):**
  - उम्मीदवारों को दो श्रेणियों टैगोर **राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति** एवं **टैगोर अनुसंधान छात्रवृत्ति** के तहत चयनित किया जाता है, ताकि 4 अलग-अलग समूहों में भाग लेने वाले विभिन्न संस्थानों के अंतर्गत संबद्धता द्वारा सांस्कृतिक अनुसंधान पर कार्य किया जा सके।
    - अध्येताओं एवं विद्वानों का चयन **राष्ट्रीय चयन समिति (NSC)** द्वारा किया जाता है

- **अतिरिक्त घटक:**
  - **"प्रदर्शन कला में अनुसंधान के लिये व्यक्तियों को परियोजना अनुदान की योजना"** के तहत **संगीत नाटक अकादमी** सलाहकार समिति की सिफारिश पर वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/ministry-of-culture-s-initiative-to-promote-of-art-and-culture